

पराभिक्ष पुं. (तत्.) ऐसे वानप्रस्थ जो गृहस्थों के घर से भिक्षा लेते हैं और वन में अपना समय व्यतीत करते हैं।

पराभूत वि. (तत्.) 1. पराजित, हारा हुआ, जिसका पराभव हो गया हो 2. ध्वस्त, नष्ट 3. अनादृत, तिरस्कृत।

परामर्श पुं. (तत्.) 1. सलाह, मंत्रणा 2. युक्ति, तरकीब 3. विचार, विवेचन 4. पकड़ना, खींचना।

परामर्शक पुं. (तत्.) परामर्श करने वाला दे. परामर्श।

परामर्शालय पुं. (तत्.) किसी चिकित्सक, वकील, वित्तविशेषज्ञ, निवेशक आदि से परामर्श या सलाह करने का कक्ष, गृह या स्थान।

परामुख वि. (तत्.) 1. जिसने मुँह पीछे कर लिया हो या मुँह मोड़ लिया हो 2. प्रतिकूल, विरुद्ध 3. उदासीन, ध्यान न देने वाला।

परामृत वि. (तत्.) 1. जो मृत्यु को जीत चुका हो, जो मृत्यु के बंधन से मुक्त हो गया हो 2. मुक्त।

परामृष्ट वि. (तत्.) 1. पकड़कर खींचा गया 2. विचार किया हुआ 3. जिसने सलाह कर ली हो या जिसने सलाह दी हो 4. जिस विषय पर परामर्श कर लिया गया हो।

परायण वि. (तत्.) 1. किसी कार्य में पूर्णतः लगा हुआ, निरत जैसे- धर्मपरायण, कर्तव्यपरायण 2. किसी के प्रति पूर्ण निष्ठा या भक्ति रखने वाला जैसे- प्रभुपरायण पुं. वह स्थान जहाँ शरण मिली हो, शरणस्थली वि. 1. आश्रित, अवलंबित 2. बीता या गया हुआ, गत, विगत।

परायत्त वि. (तत्.) पराधीन।

पराया वि. (तद्.) 1. दूसरे का, अन्य का जैसे- पराया धन, परामर्श नाद, पराई स्त्री 2. जो अपना या आत्मीय न हो, परकीय, गैर मुहा. अपना-पराया समझना- यह ज्ञान होना कि कौन मित्र (या अपना) है तथा कौन शत्रु (या पराया) है; पराया मुँह ताकना- औरों या गैरों का भरोसा, दूसरों का मुँह जोहना।

परायु पुं. (तद्.) ब्रह्मा।

परारथ पुं. (तद्.) मोक्ष, परार्थ, मुक्ति।

पारुक पुं. (तत्.) पाषाण, पत्थर।

परार्थ पुं. (तत्.) 1. दूसरे का काम, दूसरे का उपकार विलो. स्वार्थ 2. सर्वोत्कृष्ट लाभ, मोक्ष, मुक्ति वि. 1. दूसरे के निमित्त 2. अन्य लक्ष्य वाला।

परार्ध पुं. (तत्.) 1. सबसे बड़ी संख्या 2. ब्रह्मा की आयु का उत्तरार्ध जो हमारी गणना में बहुत बड़ा है 3. पूर्वार्ध का उल्टा।

परावठा पुं. (देश.) दे. पराँठा।

परावर्त्य वि. (तत्.) जिसे परावर्तित किया जा सके, पलटने के योग्य, जिसे बदला या उलटाया जा सके।

परावन पुं. (तद्.) 1. एक साथ बहुत से लोगों का भागना, भगदड़, पलायन 2. घर या गाँव के बाहर किसी स्थान पर ग्रामीणों द्वारा डेरा डालकर पूजा-पाठ करना, धार्मिक अनुष्ठान करना।

परावर वि. (तत्.) 1. सर्वश्रेष्ठ 2. अगला-पिछला, पहले का और पीछे का 3. निकट का और दूर का 4. इधर का, उधर का पुं. 1. समग्रता, संपूर्णता, अखिलता 2. विश्व 3. कारण तथा कार्य।

परावरा स्त्री. (तत्.) उपनिषद-विद्या, औपनिषदिक ज्ञान, परा और अपरा दोनों विद्याओं का ज्ञान।

परावर्त पुं. (तत्.) 1. पलटने का भाव 2. परस्पर अदला-बदली, विनिमय 3. निर्णय बदलना, नए सिरे से विचार करना 4. ग्रंथ की पुनः आवृत्ति।

परावर्तन पुं. (तत्.) दे. परावर्त।

परावर्तित वि. (तत्.) 1. पलटाया हुआ, पीछे फेरा हुआ 2. पलटा हुआ।